मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 41**

17.07.2017 को उत्‍तर के लिए

**मुकुन्द्रा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ**

41. श्री ओम प्रकाश माथुरः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की राजस्थान के कोटा स्थित मुकुन्द्रा राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के संबंध में कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो इस उद्यान में कहां से एवं कितने बाघ स्थानान्तरित किये जायेंगे; और

(ग) क्या बाघों के उचित रख-रखाव एवं सुरक्षा की व्यवस्था कर ली गयी है एवं क्या इस उद्यान में बाघों के लिये पर्याप्त संख्या में शिकार उपलब्ध है?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री**

**(डॉ. हर्ष वर्धन)**

(क) सरकार का मुकुन्‍द्रा हिल्‍स बाघ रिजर्व, राजस्‍थान में बाघों की संख्‍या को बहाल करने की योजना है।

(ख) बाघों को ''भू-दृश्‍य स्‍तर पर स्रोत क्षेत्रों से बाघों को पुनर्वासित करने की दिशा में सक्रिय प्रबंधन'' के लिए राष्‍ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक प्रचालन कार्यविधि (एसओपी) के अनुसार रणथम्‍भौर बाघ रिजर्व से प्राप्‍त किया जाना है। प्राप्‍त किए जाने वाले बाघों की संख्‍या, उनकी वहनीयता के साथ-साथ अहेर की बहाली और वितरण की सीमा की शर्त के अध्‍यधीन हैं।

(ग) राष्‍ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने बाघों और उनके अहेरों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए चरण-वार अध्‍ययन किए जाने का सुझाव दिया है और वह **अनुबंध-।** में दिया गया है।

\*\*\*\*\*

**अनुबंध-।**

**''मुकुन्द्रा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ'' के संबंध में दिनांक 17.07.2017 को उत्‍तर के लिए श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा पूछे गए राज्‍य सभा अतारांकित प्रश्‍न सं. 41 के भाग (ग) के उत्‍तर में उल्लिखित अनुबंध**

**राष्‍ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने बाघों और उनके अहेरों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए चरण-वार अध्‍ययन करने का सुझाव दिया है:**

1. चरण-। (1 वर्ष के लिए): वन्‍यजीवों की निगरानी में लगे हुए कर्मचारियों की क्षमता निर्माण करना। कर्मचारियों को सरिस्‍का स्थित राष्‍ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण- भारतीय वन्‍यजीव संस्‍थान की चालू परियोजना से अवगत कराया जाएगा और समर्पित दलों को सरिस्‍का में प्रोटोकॉल के विषय में जानकारी प्रदान करने के पश्‍चात प्रशिक्षित व तैनात किया जाएगा। इसके साथ-साथ, बहाली कार्यक्रम के लिए विस्‍तृत रूप रेखा की व्‍यवहार्यता आकलन और विकास के भाग के रूप में पहले से यथा रेखाकिंत सामाजिक-राजनैतिक स्‍वीकार्यता का आकलन भी किया जाएगा। इस मामले में, उपलब्‍ध सर्वोत्‍तम प्रैक्टिस मॉडेल जैसे पन्‍ना और सरिस्‍का में संभावनाओं का पता लगाया जा सकता है।
2. चरण-।। (।। वर्षों के लिए): स्‍व-स्‍थाने अहेर उपलब्‍ध कराने की प्रक्रिया जारी रखी जाएगी। इस प्रक्रिया को गति प्रदान करने के लिए सरिस्‍का बाघ रिजर्व, जहां इसके मांसाहारी पशुओं को उपलब्‍ध कराने के लिए पर्याप्‍त अहेर मौजूद हैं, से उसका सम्‍पूरण किया जाएगा। बाघ परियोजना की केन्‍द्रीय प्रायोजित स्‍कीम से निधियन प्राप्‍त करते हुए चरण-। और चरण-। के दौरान, स्‍वैच्छिक रूप से ग्राम पुन:स्‍थापन की प्रक्रिया भी साथ-साथ की जाएगी।
3. चरण-।।। : एक बार यह निर्धारित किए जाने कि अहेर स्‍वयं सम्‍पोषित रह सकता है, सक्रिय प्रबंधन और प्रोटोकॉल, जिसे सरिस्‍का में मानकीकृत किया गया है, पर एनटीसी की मानक प्रचालन कार्यविधि के अनुसार बाघों को उस स्‍थान पर छोड़ा जाएगा।

\*\*\*\*\*